प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर, जिला-ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड, पिन-२६३१४५

कविता पाठ प्रतियोगिता में देश व समाज की समस्याओं को उठाया विद्यार्थियों ने जीजीआईसी की आकांक्षा व कृषि महाविद्यालय के गिरिजेश महरा रहे आगे

पंतनगर। सितम्बर ८, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रकाशन निदेशालय द्वारा आयोजित किये जा रहे हिन्दी सप्ताह के अन्तर्गत कल सायं हुई स्व-रचित कविता पाठ प्रतियोगिता में स्कूल वर्ग व विश्वविद्यालय वर्ग में विद्यार्थियों द्वारा उच्च स्तर की कविताओं को प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने आतंकवाद, देश प्रेम, पर्यावरण, जीवन मूल्य माता, पिता, बेटी के साथ-साथ समाज में, वर्तमान में व्याप्त समस्याओं व बुराइयों, यथा भ्रष्टाचार, नारी पर अत्याचार, भ्रूण हत्या, निठारी कांड, गोरखपुर अस्पताल कांड, जैसे विषयों पर रचनाएं प्रस्तुत कीं। कविताओं को सुनकर पता चल रहा था कि डिजिटल युग में जी रहे ये विद्यार्थी भी देश व समाज की समस्याओं के प्रति उतने ही मुखर व संवेदनशील है जितना अन्य कोई व्यक्ति। विद्यार्थियों ने अपने भावों को सरल किन्तु सटीक शब्दों के द्वारा प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता के स्कूल वर्ग में प्रथम स्थान पर राजकीय कन्या इंटर कालेज की छात्रा आकांक्षा रही तथा दूसरे स्थान पर कैम्पस स्कूल की ओजस्वी वर्मा रहीं। तीसरा स्थान कैम्पस स्कूल के समृद्ध सक्सेना ने प्राप्त किया। विश्वविद्यालय वर्ग में कृषि महाविद्यालय के गिरिजेश महरा प्रथम, गृह विज्ञान महाविद्यालय की रोहिणी पांडे द्वितीय तथा प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के कान्हा जोशी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। स्कूल वर्ग की प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित स्कूलों के कक्षा ९ से १२ के १३ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जबकि विश्वविद्यालय वर्ग की प्रतियोगिता में पंतनगर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के ११ विद्यार्थियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।

प्रतिभागियों की कविताओं का मूल्यांकन करने हेतु निर्णायक मंडल में विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक, डा. शैलेष त्रिपाठी; पंतनगर इंटर कॉलेज के शिक्षक, श्री राम जगत गौरव; राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की शिक्षिका, श्रीमती जयंती राव एवं कैम्पस स्कूल के शिक्षक, श्री प्रदीप जोशी, सम्मिलित थे।

विश्वविद्यालय एवं विद्यालय वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले गिरिजेश महरा एवं आकांक्षा सिंह निर्णायक मंडल के समक्ष कविता प्रस्तुत करते।